MHD–014

एम. ए. हिंदी (MHDOL)

हिन्दी उपन्यास-I (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

नोट : i) खण्ड 'क' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) खण्ड 'ख' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

iii) खण्ड 'ग' से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड 'क'

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (5×4=20)

1. "जालपा का चरित्र नाटकीय है।" स्पष्ट कीजिए।

2. 'गबन' उपन्यास में राष्ट्रीय आंदोलन का चित्रण किस तरह हुआ है?

3. 'प्रेमचंद साहित्य के क्षेत्र में बहुमुखी प्रतिभा के रचनाकार थे।' संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

4. "आदर्शोन्मुख यथार्थवाद" से क्या आशय है?

5. 'प्रेमाश्रम' की पात्र-योजना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. 'प्रेमाश्रम' की भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. सुमन के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड 'ख'

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (5×10=50)

8. मनोहर तथा बलराज के चरित्र की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

9. 'प्रेमाश्रम' के आधार पर तत्कालीन कृषक समाज में व्याप्त शोषण के विविध रूपों को रेखांकित कीजिए।

10. 'रंगभूमि' पर असहयोग आंदोलन के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

11. क्या 'सूरदास' जिद्दी पात्र है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

12. 'सेवासदन' में चित्रित विवाह संस्था और उसकी विकृतियों पर विचार कीजिए।

13. सुमन जैसे चरित्र के निर्माण में प्रेमचंद के उद्देश्य की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

14. " 'गबन' एक चरित्र प्रधान उपन्यास है।" इस कथन का विवेचन कीजिए।

खण्ड 'ग'

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×15=30)

15. "प्रेमचंद अपने विचारों में अत्यंत प्रगतिशील और मानवधर्मी थे।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

16. नगेन्द्र और रामविलास शर्मा ने प्रेमचंद के कथा साहित्य की आलोचना किन आधारों पर की है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

17. प्रेमचंदयुगीन भारतीय समाज में मध्यवर्ग की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।